'विश्व बंधुत्व दिवस' पर फैला पूरे विश्व में शांति का प्रकम्पन

'25 अगस्त विश्व बंधुत्व दिवस' पर विश्व भर में राजयोग मेडिटेशन कार्यक्रम का सफल आयोजन

25 अगस्त 2007 का दिन अविस्मरणीय है और रहेगा, वो इसलिए क्योंकि वो किसी साधारण आत्मा का नहीं है। ऐसी महान आत्मा का है जिसे पूरा विश्व एक राजऋषि, एक महा तपस्विनी, एक योग मूर्ति के रूप में देखता है। 25 अगस्त 2015 को पूरा शांतिवन उस महा योगिनी की याद में पुनः भाव-विभोर हो उठा, फिर से वो यादें ताज़ा हो गईं जो सभी अपनी-अपनी स्मृतियों में रखे हुए थे। इस दिवस पर देश-विदेश के सभी सेवाकेन्द्रों ने विशेष रूप से सामूहिक अंतर्राष्ट्रीय मेडिटेशन का आयोजन कर सभी को विश्व भ्रातृत्व का संदेश दिया जिसका हेतु था कि दादी का कर्म सिर्फ हमारा नहीं है, सारी मानवता व उससे जुड़ी हुई सभी गतिविधियों के लिए है।

शांतिवन। दादी प्रकाशमणि के अव्यक्त दिवस पर देश और विदेश से लगभग 18 हज़ार से भी अधिक भाई-बहनों ने उनकी छवि को देखने हेतु शांतिवन को एक महा मेला के रूप में परिवर्तित कर दिया। लोग सुबह से कतारबद्ध व करबद्ध होकर उस महान आत्मा की याद में प्रकाश स्तम्भ पर अखण्ड योग का योगदान दे रहे थे। दादी जी के बोले हुए अनमोल वचनों को डायमण्ड हॉल के चारो तरफ फ्लैक्स पर सजाया गया था। कुछ आगंतुक व चात्रक तो उनके अनमोल वचनों को पढ़कर ही अपने अश्रुधारा को रोक पाने में असमर्थ थे। एक-एक वचन दिल को छू जाने वाला है, ऐसा सभी कहते और आगे बढ़ते रहे। सुबह 8 बजे संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी, ब्र.कु. मुन्नी, ब्र.कु. मोहिनी, संस्था के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर, अतिरिक्त सचिव ब्र.कु. रमेश शाह, ब्र.कु. बृजमोहन तथा वरिष्ठ ब्र.कु. भाई-बहनों ने दादी के प्रकाश स्तम्भ पर जाकर अपनी स्नेहांजलि पुष्पों के रूप में क्रमवार अर्पित की। इस दिवस पर पधारे कुछ मुख्य अतिथियों ने भी दादी जी को स्नेह सुमन अर्पित किये। सभी दादी के प्रकाश स्तम्भ की परिक्रमा करते हुए, उनकी धारणाओं पर अमल करते हुए दो-दो मिनट का मौन रखकर बाहर आए।

प्रकाश स्तम्भ पर दादी जी की स्मृति दिवस पर ईश्वरीय स्मृति में डॉ. निर्मला, ब्र.कु. मुन्नी, ब्र.कु. मोहिनी, ब्र.कु. बृजमोहन, ब्र.कु.निर्वैर, दादी जानकी, दादी हृदयमोहिनी, ब्र.कु.मृत्युंजय, ब्र.कु. रमेश शाह व अन्य।

दादी जी की स्मृति में 25 अगस्त को विश्व बंधुत्व दिवस मनाते हैं, जिसके अंतर्गत 23 अगस्त को एक शांति सद्भावना दौड़ जो 12 कि.मी. की थी जिसमें करीब 1200 लोगों ने भाग लिया। साथ ही स्वैच्छिक रक्त दान शिविर का भी आयोजन किया गया और बच्चों के अनेक स्पर्धात्मक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

आत्मा अविनाशी तो उसका भोजन भी अविनाशी

पुलिस ऑफिसर्स को `स्वस्थ एवं सुखी जीवन' विषय पर अपना वक्तव्य देते हुए ब्र.कु अनुज।

उमरेड-नागपुर। शरीर तो नश्वर है, आज है कल नहीं रहेगा, उसके लिए कार्य करने हेतु आप झूठ बोलते हैं, कपट करते हैं, जिसका प्रभाव आपकी आत्मा पर पड़ता है। यदि आत्मा अविनाशी है तो उसका भोजन भी तो अविनाशी होना चाहिए ना। उक्त उद्बोधन दिल्ली से साधना पथ पत्रिका के पूर्व संपादक एवं माइंड प्रबंधन विशेषज्ञ ब्र.कु. अनुज ने `स्वस्थ एवं सुखी जीवन' विषय पर आयोजित पुलिस अधिकारियों हेतु तनाव प्रबंधन कार्यशाला में व्यक्त किये।

नागपुर जिले के उमरेड तालुका के ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र द्वारा पुलिस अधिकारियों हेतु त्रिदिवसीय ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ओमशान्ति मीडिया के संपादक ब्र.कु. गंगाधर तथा सहयोगी संपादक ब्र.कु. अनुज ने इस कार्यक्रम को क्रियान्वित किया। इसमें 65 पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया।

मनोवैज्ञानिक तरीके से इस विषय को रखते हुए ब्र.कु. अनुज ने कहा कि आप अपने पूरे शरीर को चलाने हेतु भोजन, पानी, अग्नि, वायु आदि देते हैं, जबकि आप अपनी आत्मा को उसका विशेष भोजन ज्ञान, पवित्रता, शांति, प्रेम, आनंद और शक्ति की खुराक नहीं देते। शरीर निर्वाह अर्थ किये गये कर्म का प्रभाव आपकी आत्मा पर पड़ता है। आप जिनके लिए कार्य कर रहे हैं वो आज हैं कल नहीं होंगे, लेकिन उसका प्रभाव आपके ऊपर हमेशा रहेगा, वो इसलिए कि मैंने शरीर व शरीर से संबंधित लोगों हेतु कार्य किया लेकिन आत्मा के लिए तो कुछ किया ही नहीं। आत्मा यदि अविनाशी है तो उसका भोजन भी अविनाशी होना चाहिए, ना कि स्थूल। आप जब कार्य करके आते हैं तो कहते हैं कि दो मिनट के लिए मुझे शांत छोड़ दो, तो इसका अर्थ तो यही हुआ कि आत्मा को अल्टीमेट रूप से शांति ही चाहिए, प्रेम ही चाहिए, अर्थात् अविनाशी चीज़ें ही चाहिए, लेकिन ढूंढ़ रहे हैं विनाशी में, तो कहां से खुशी रहेगी!

साथ ही दूसरे सत्र में 700 स्कूल की छात्राओं हेतु सकारात्मक दृष्टिकोण पर कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सभी स्कूल के स्टाफ व टीचर्स शामिल थे। ब्र.कु.गंगाधर ने संस्था की गतिविधियों से सभी को अवगत कराया तथा कार्यक्रम के पश्चात् उमरेड सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. रेखा ने सभी को भाग लेने हेतु बधाई दी और सभी ने आने वाले समय में पुनः कार्यक्रम आयोजित कराने हेतु आग्रह किया।

उमरेड महाविद्यालय की छात्राओं को ब्र.कु. अनुज ने कॉन्सनट्रेशन एंड मेमोरी विषय पर बताते हुए कहा कि हर डाटा को इमेज के साथ संलग्न कर मेमोरी को शार्प बनाया जा सकता है। उसके बारे में उन्होंने बहुत ही सहज और प्रैक्टिकल उदाहरण के माध्यम से सभी को अभ्यास कराया भी और उससे संबंधित विस्तार से जानकारी प्रदान की। सभी छात्राओं ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088,
Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएवल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 5th Sep 2015
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।